This question paper contains 2 printed pages.

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302303**
Title of the Paper	**:**	**नाट्यशास्त्र एव ध्वन्यालोक** **Nāṭyaśāstra & Dhvanyāloka**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Jan 2024**
Group	**:**	**C**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए। **7x4=28**

Explain the following:

i. भावाश्चैव कथं प्रोक्ताः किं वा ते भावयन्त्यपि।
संग्रहं कारिकां चैव निरुक्तं चैव तत्त्वतः॥

अथवा/OR

चतस्रो वृत्तयो ह्येता यासु नाट्यं प्रतिष्ठितम्।
आवन्ती दाक्षिणात्या च तथा चैवोद्रमागधी॥

ii. व्यञ्जनौषधिसंयोगो यथान्नं स्वादुतां नयेत्।
एवं भावा रसाश्चैव भावयन्ति परस्परम्॥

अथवा/OR

शृङ्गारानुकृतिर्या तु स हास्यस्तु प्रकीर्तितः।
रौद्रस्यैव च यत्कर्म स ज्ञेयः करुणो रसः॥

iii. सोऽर्थस्तद्व्यक्तिसामर्थ्ययोगी शब्दश्च कश्चन।
यत्नतः प्रत्यभिज्ञेयौ तौ शब्दार्थौ महाकवेः॥

अथवा/OR

तद्वत्सचेतसां सोऽर्थो वाच्यार्थविमुखात्मनाम् ।
बुद्धौ तत्त्वार्थदर्शिन्यां झटित्येवावभासते ॥

iv. सरस्वती स्वादु तदर्थवस्तु निःष्यन्दमाना महतां कवीनाम् ।
अलोकसामान्यमभिव्यनक्ति परिस्फुरन्तं प्रतिभाविशेषम् ॥

अथवा/OR

मुख्यां वृत्तिं परित्यज्य गुणवृत्त्यार्थदर्शनम् ।
यदुद्दिश्य फलं तत्र शब्दो नैव स्खलद्गतिः ॥

2. अधोलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से एक **संस्कृत** में हो: **5+5+5+7=22**
Write short notes on the following one should be in **Sanskrit**.

i. धर्मी (Dharmī) **अथवा/OR** गान (Gāna)
ii. वीररस के भेद (Types of Vīra-rasa) **अथवा/OR** षड्विध हास्य (Six types of hāsya)
iii. ध्वन्यालोक का मंगलाचरण (Invocation of Dhvanyāloka)

अथवा/OR

अभाववाद का प्रथम विकल्प (first option of Abhavavada)

iv. अस्ति ध्वनिः स च द्विविधः **अथवा/OR** अलक्षणीयतावाद

3. आचार्य भट्टनायक विहित रससूत्र की व्याख्या की समालोचना कीजिए। **10**
Critically Analyse the Acharya Bhaṭṭa-nāyaka's exposition on Rasasutra.

अथवा/OR

नाट्यशास्त्र का शान्तरस विषयक दृष्टिकोण की समालोचना कीजिए।
Critically Analyse the Point of view of Nāṭyaśāstra on Śānta-rasa.

4. "भाक्तमाहुस्तमन्ये" का खण्डन कीजिए। **10**
Refutation of "भाक्तमाहुस्तमन्ये".

अथवा/OR

ध्वनिकाव्यलक्षण की समालोचना कीजिए।
Critically Analyse the Definition of Dhvani-kāvya.